एजुकेशन, रिसर्च और इनोवेशन से मिलेगी दुनिया में पहचान

प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मैडल के साथ रेन्शी चावला

आईआईटी इंदौर के तीसरे दीक्षांत समारोह में प्रो.माशेलकर की सीख, ईई के रेन्शी चावला को प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मैडल

plus रिपोर्टर
indoreplus@patrika.com

इंदौर भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे शक्तिशाली देश है। इसे पहले नंबर पर पहुंचाने की जिम्मेदारी युवाओं की है। आईआईटी से पढ़ाई पूरी करने के बाद भी आप एजुकेशन, रिसर्च और इनोवेशन जारी रखें। इस दिशा में की गई मेहनत ही हमें दुनिया में पहचान दिलाएगी।

काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीएसआईआर) के पूर्व डायरेक्टर प्रो. रघुनाथ अनंत माशेलकर ने सोमवार को आईआईटी इंदौर के दीक्षांत समारोह में यंग इंजीनियरों को देशहित में काम करने के लिए प्रेरित किया। समारोह में बीटेक, एमएससी, एमटेक व पीएचडी करने वालों को डिग्री प्रदान की गई। प्रो. माशेलकर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, आज आपकी जिंदगी का सबसे खास दिन है। नई जगह जाने और जुड़ने से पहले अपना उद्देश्य तय कर लें। डिग्री लेने के बाद हायर स्टडी, जॉब या इंटरप्रेन्योरशिप में से कोई भी फील्ड चुनें, लेकिन देशहित सर्वोपरि होना चाहिए। आईआईटी से मिले सबक का इस्तेमाल देश को आगे बढ़ाने के लिए करें। समारोह में आईआईटी के चेयरमैन अजय पिरामल व डायरेक्टर प्रदीप माथुर ने भी पासआउट छात्रों को शुभकामनाएं दी। इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग ब्रांच से बीटेक करने

वाले रेन्शी चावला को प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मैडल से नवाजा गया। कम्प्यूटर साइंस के प्रखर शर्मा, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग के दीपक आर व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रतीक चंद्रशेखर जुईकर को इंस्टिट्यूट सिल्वर मैडल प्रदान किया गया।

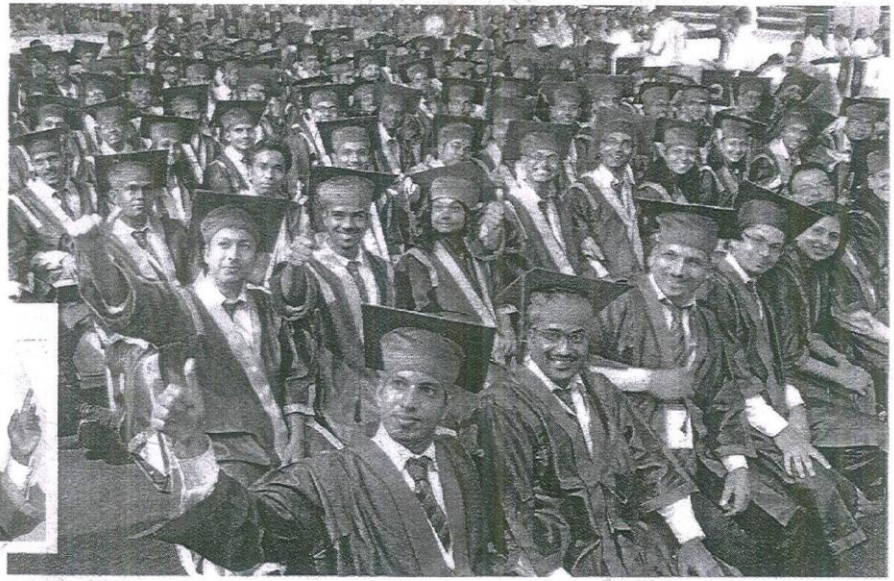

प्रो.माशेलकर के सक्सेस मंत्र

- अपनी आकांक्षाएं हमेशा बड़ी रखें।
- सोच को सीमाओं में न बंधने दें।
- नो लिमिट टू ह्यूमन इंड्यूरेंस
- कड़ी मेहनत भी शांति के साथ करें
- धैर्यवान बनें
- अपने काम से प्रेम करें
- अवसरों के लिए खुद रास्ते बनाएं।
- सबसे अलग सोचें
- कल्पनाशीलता रखें
- लगन से काम करें
- इनोवेटिव अप्रोच अपनाने को तैयार रहें।

प्रखर शर्मा, सिल्वर मैडल लेते हुए

दीपक आर, सिल्वर मैडलिस्ट

प्रतीक चंद्रशेखर, सिल्वर मैडल के साथ

77 ने ही ली डिग्री

दीक्षांत समारोह में हुई देरी का असर समारोह में देखने को मिला। 2014-15 की बैच से 115 छात्र-छात्राओं ने बीटेक की पढ़ाई पूरी की, लेकिन इनमें से सिर्फ 77 ही दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने पहुंचे। कम्प्यूटर साइंस ब्रांच के 26, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग के 28 व मैकेनिकल के 23 विद्यार्थियों ने डिग्री ली।

नई ऊंचाइयां छू रहा आईआईटी

प्रो. माथुर ने बताया, आईआईटी इंदौर के प्लेसमेंट में लगातार तीसरे साल सुधार हुआ है। पहली बैच को 9.13, दूसरी बैच को 9.36 लाख रुपए सालाना का पैकेज ऑफर हुआ। इस साल औसत पैकेज बढ़कर 11.3 लाख रुपए सालाना हो गया है। बीटेक फाइनल के 115 में से 97 ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में हिस्सा लिया। 94 छात्रों को पसंदीदा सेक्टर में जॉब मिले हैं। आईआईटी में इंटरडिसीप्लिनरी रिसर्च पर फोकस किया जा रहा है। फिलहाल 82 रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। चेयरमैन पिरामल ने कहा, अगर आपके पास स्किल है तो अवसरों की कभी कमी नहीं आ सकती।

Patrika (Indore), 25th August 2015, Patrika Plus, Page-13